This question paper contains **02** printed pages.

Roll No.:

S. No. of Question Paper : 7605

Unique Paper Code : **2131303**

Name of the Paper : **Self Management in Gita**

F-7

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **III**

Time Allowed - **03 Hours**

Maximum Marks – **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note – Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी - अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

1. वर्ग ए में से किसी एक तथा बी और सी में से किन्हीं दो पद्यों को चुनते हुए कुल पाँच पद्यों की व्याख्या कीजिए : 5x7=35
   Explain **Five** of the following by choosing **one verse from section A** and **two from B and C section**:

A

(i) इच्छा द्वेषः सुखं दुःखं संघातश्चेतना धृतिः।
एतत्क्षेत्रं समासेन सविकारमुदाहृतम्॥

(ii) ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः।
मनः षष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति॥

B

(i) न चैतद्विद्मः कतरन्नो गरीयो
यद्वा जयेम यदि वा नो जयेयुः।
यानेव हत्वा न जिजीविषाम-
स्तेऽवस्थिताः प्रमुखे धार्तराष्ट्राः॥

(ii) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि॥

(iii) अधिष्ठानं तथा कर्त्ता करणं च पृथग्विधम्।
विविधाश्च पृथक् चेष्टाः दैवं चैवात्र पञ्चमम्॥

(iv) प्रजहाति यदा कामान् सर्वान् पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते ॥

C

(i) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भू मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ॥

(ii) अद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्रः करुण एव च।
निर्ममो निरहङ्कारः समदुःखसुखः क्षमी ॥

(iii) तुल्यनिन्दास्तुतिर्मौनी सन्तुष्टो येन केनचित्।
अनिकेतः स्थिरमतिर्भक्तिमान्मे प्रियो नरः ॥

2. श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन को क्यों आवश्यक माना है, क्या यह सफलता की कुञ्जी हो सकता है, इसके प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तार से लिखिये।
Why self-management is considered necessary in Śrīmadbhagvadgītā? Can it be the key to success? Elaborate its important points in detail.

अथवा (Or)

श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर मन के स्वरूप और उस पर होने वाले तीनों गुणों के प्रभाव को विस्तार से लिखिये।
Discuss the concept of mind and the impact of nature's three guṇas on it on the basis of Śrīmadbhagvadgītā. **11**

3. 'सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते' **अथवा** 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' की विस्तृत विवेचना कीजिये।
Discuss in detail – **Either** 'sidhyasiddhyo samo bhūtvā samatvam yoga ucyate' **Or** 'na hi jñānena sadṛśam pavitramiha vidyate'. **11**

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिये:
Write short notes on **any three** of the following: **3x6=18**

(i) सात्त्विक आहार
Sātvik Diet

(ii) श्रद्धावांल्लभते ज्ञानम्
Devoted and is full of faith attains knowledge

(iii) वाग्-तप
Austerity of the Speech

(iv) स्वाध्याय
Svādhyāya

(v) सर्वारम्भपरित्यागी
Who renounced the feeling of doer ship in all undertakings